3. क्या निराश हुआ जाए

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :

1) आज समाचारपत्र में कौन-कौन से समाचार भरे रहते है ?

- आज समाचारपत्र में चोरी, डकैती, तस्करी और भ्रष्ट्राचार के समाचार भरे रहते है |

2) देश का वातावरण आज कैसा बन गया है ?

- देश का वातावरण आज ऐसा बन गया है की लगता है देश में कोई इमानदार आदमी ही नहीं बचा है |

3) भारतवर्ष ने किसको अधिक महत्व नहीं दिया है ?

- भारतवर्ष ने भौतिक वस्तुओ के संग्रह को अधिक महत्व नहीं दिया है |

4) मनुष्य के मन में कौन-कौन से विकार है ?

- मनुष्य के मन में काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि विकार है |

5) भारतवर्ष किसको धर्म के रूप में देखता आ रहा है ?

- भारतवर्ष कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है |

6) बस-कंडक्टर क्या लेकर लौटा था ?

- बस-कंडक्टर खाली बस लेकर तथा लेखक के बच्चों के लिए पानी और दूध लेकर लौटा था।

2. निम्नलिखित प्रश्नो के दो-दो वाक्य में उत्तर दीजिए :

1) लोगों में महान मूल्यों के बारे में आस्था क्यों हिल गई है ?

- आजकाल इमानदारी और परिश्रम करके जीविका कमानेवाले श्रमजीवी पिस रहे है और झूठ तथा फरेब का रोजगार करनेवाले फल-फुल रहे है | इसलिए लोगो में महान मूल्यों के बारे में आस्था हिल गई है |

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2) लेखक क्या देखकर हताश हो जाना उचित नहीं मानते ?

- लेखक कहते है की आजकल इमानदारी और परिश्रम के बदले झूठ और फरेब का बाजार गरम है | उपरी दिखाई देनेवाली इस मनुष्यनिर्मित स्थिति से हताश हो जाना उचित नहीं है |

3) देश के दरिद्रजनों की हीन अवस्था दूर करने के लिए क्या किया गया है ?

- देश के दरिद्रजनों की हीन अवस्था दूर करने के लिए शासन ने अनेक कायदे-कानून बनाए है | इनका यही लक्ष्य है की कृषि, वाणिज्य, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रोमे लोगो की स्थिति को अधिक उन्नत और सुचारू बनाया जाए |

4) कविवर रविन्द्रनाथ ठाकुर ने प्रार्थना-गीत द्वारा भगवान से क्या याचना की है ?

- कविवर रविन्द्रनाथ ठाकुर ने अपने प्रार्थना-गीत में भगवान से यह याचना की है की संसार में केवल नुकसान उठाना पड़े, धोखा खाना पड़े तो भी मै विचलित न होऊ | ऐसे अवसरो पर भी हे प्रभों ! मुझे ऐसी शक्ति दो की मै तुम पर संदेह न करू |

3. निम्नलिखित प्रश्नो के पाँच-छ वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) लेखक का मन क्यों बैठ जाता है ?

- हमारे देश के अखबार चोरी, डकैती, तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचारो से भरे रहते है | राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहते है | ऐसा लगता है की जैसे देश मे कोई ईमानदार ही नही रह गया | लोग हर व्यक्ति को संदेह ही दृष्ठी से देखते है | जो जितने ऊंचे पद पर है, ऊनमे उतने ही अधिक दोष दिखाए जाते है | सब अपने-अपने स्वार्थो मे लिप्त है | देश के हित की बांते बहुत कम हो रही है | देश और समाज की ऐसी दशा देखकर लेखक का मन बैठ जाता है |

2) भारतवर्ष को 'महामानव समुद्र' क्यों कहा गया है ?

- भारतवर्ष एक प्राचीन और विशाल देश है। सदियों से यहाँ अनेक जातियाँ आईं और यहीं बस गईं। विदेशों से अनेक धर्मावलंबी यहाँ आए और यहीं के होकर रह गए। इस प्रकार भारत आर्य और द्रविड. है हिन्दू और मुसलमान, यूरोपीय और भारतीय आदर्शों की मिलन-भूमि है। भारतीय सभ्यता में विदेश से आईं सभ्यताओं का भी प्रभाव है। यहाँ की संस्कृति में विदेशी संस्कृतियाँ घुल-मिल गई हैं। भारतीय समाज में देशी-विदेशी तरह-तरह के लोग आए और समा गए हैं। इसलिए भारतवर्ष को 'महामानव समुद्र' कहा गया है।

3) धर्म को भारतवर्ष में श्रेष्ठ क्यों माना गया है ?

- शासन और समाज की सुख-सुविधा के लिए सरकार तरह-तरह के कानून बनाती है। लेकिन भारतवासियों की दृष्टि में धर्म कानून से बड़ा है। धर्म के कारण ही अब भी सेवा, सच्चाई, ईमानदारी और आध्यात्मिकता आदि बने हुए हैं। धर्म के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भय से मनुष्य झूठ और चोरी को गलत समझता है। धर्मबुद्धि के कारण ही लोग दूसरों को पीड़ा पहुँचाना पाप मानते हैं। धर्मबुद्धि ही लोभ, मोह, काम, क्रोध आदि विकारों पर संयम रख सकती है और निकृष्ट आचरण करने से रोकती है। इसीलिए धर्म को भारतवर्ष में श्रेष्ठ माना गया है।

4) कंडक्टर ने अपनी ईमानदारी कैसे बताई ?

- एक बार लेखक सपरिवार बस-यात्रा कर रहे थे। गंतव्य स्थान से लगभग पाँच मील पहले एक सुनसान स्थान पर बस खराब हो गई। कंडक्टर समझ गया कि यह बस अब आगे नहीं जा सकती। वह एक साइकिल लेकर चला गया। उस समय रात के दस बजे थे। यात्री बस-ड्राइवर पर अपना क्रोध उतारने लगे। लेखक के बच्चे भोजन और पानी के लिए व्याकुल थे। यात्री ड्राइवर को मारने के लिए तैयार हो गए। ठीक उसी समय बस-कंडक्टर एक खाली बस लेकर आया। यात्री उसमें सवार हो गए। कंडक्टर लेखक के बच्चों के लिए पानी और दूध भी लाया था।
- इस तरह बस-कंडक्टर ने अपनी ईमानदारी और सज्जनता बताई।

4. मुहवरो का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1) मन बैठ जाना - उदास होना

- वाक्य : बार-बार की असफलता से उसका मन बैठ गया है।

2) पर्दाफाश करना - भेद खोलना

- वाक्य : चोर पकड़ा गया तो उसने अपने साथियों का पर्दाफाश कर दिया।

3) फलना-फूलना - विकसित होना, समृद्ध होना

- वाक्य : महात्मा ने मुझे फलने-फूलने का आशीर्वाद दिया।

4) हवाइयाँ उड़ना - रंग फीका पड़ना

- वाक्य : लोगों का क्रोध देखकर कंडक्टर के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगीं।

5) ढाढ़स बँधाना - सांत्वना देना, तसल्ली देना

- वाक्य : गरीब मजदूर के घर में चोरी हो जाने पर पुलिस ने उसे ढाढ़स बंधाया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

6) कातर ढंग से देखना - भयभीत होकर देखना

- वाक्य : सुरेश नकल करते हुए पकड़ा गया तो बड़े कातर ढंग से निरीक्षक की ओर देखने लगा।

[शब्दसमूह के लिए एक-एक शब्द लिखिए :]

1) धर्म से डरनेवाला - धर्मभीरु
2) मिलन की भूमि - मिलनभूमि
3) सुख देनेवाला - सुखद

5. विशेषण बनाइए :

1) भारत - भारतीय
2) समाज - सामाजिक
3) क्रोध - क्रोधी
4) समय - सामयिक
5) धर्म – धार्मिक

6. भाववाचक बनाइए :

1) डाकू - डकैती
2) आदमी - आदमियत
3) बहुत - बहुतायत
4) सभ्य - सभ्यता
5) मानव - मानवता

7. विरोधी शब्द बनाइए :

1) ईमानदार x बेईमान
2) भ्रष्टाचार x सदाचार
3) आंतरिक x बाह्य
4) सबल x निर्बल

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in